[This question paper contains02 printed pages.]

Roll Number	:	
Unique Paper Code	:	**121302408**
Title of the Paper	:	**सिद्धान्तकौमुदी (कृदन्त) एवं संस्कृत व्याकरण शास्त्र का इतिहास Siddhāntakaumudī (kṛdanta) and History of Sanskrit Grammar**
Name of the Course	:	**MA Sanskrit (LOCF) Examination, May 2023**
Semester	:	**IV**
Duration	:	**3 Hours**
Maximum Marks	:	**70**

इस प्रश्नपत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमाङ्क लिखिए।
(Write Your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

टिप्पणी: अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी में से किसी एक भाषा में दीजिए।
Note: Unless otherwise required in a question, answers should be written either in Sanskrit **or** in Hindi **or** in English.

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
Attempt all questions.

1. अधोलिखित में से प्रत्येक इकाई से **दो** सूत्र चुनते हुए कुल **चार** सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या प्रस्तुत कीजिए।
Explain **four** of the following sutras selecting **two** from each unit: 4X4=16

इकाई– 1 (unit – 1)

णेर्विभाषा, कृत्यल्युटो बहुलम्, विभाषा ग्रहः, फलेग्रहिरात्मम्भरिश्च

इकाई– 2 (unit – 2)

समानकर्तृकेषु तुमुन्, इङश्च, उपसर्गे घोः किः, स्वादुमि णमुल्

2. सम्बद्ध सूत्रों का उल्लेख करते हुए निम्नलिखित में से प्रत्येक इकाई से दो रूपों की सिद्धि कीजिए। 4x4=16
Explain the formation quoting the relevant sutras taking **two** from each section in the following:

इकाई– 1 (unit – 1)

प्रयाणीयम्, दायकः, जनमेजयः, स्थास्नुः

अन्विति – 2 (unit – 2)

विस्तारः, सम्पत्, जागरा, प्रकृत्य

3. निम्नलिखित में से किसी एक पर लघु टिप्पणी लिखिए– 5
Write short note on any **one** of the following:

कृत्य प्रत्ययों के विविध अर्थ, निष्ठा प्रत्यय, वाऽसरूपविधि

4. आचार्य पणिनि के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए संस्कृत व्याकरणशास्त्र में उनके अवदान की समीक्षा कीजिए। 10

Throw light on personality of Acharya Panini and his contribution to Sanskrit Grammar.

अथवा / OR

पाणिनि परवर्ती व्याकरण सम्प्रदायों में से किन्हीं **दो** का विस्तार से वर्णन कीजिए।

Discuss in detail about any **two** post Paniniyan Grammar schools.

5. निम्नलिखित में से किसी एक पर टिप्पणी लिखिए - 6

Write short notes on any **one** of the following:

कात्यायन, शाकटायन, कातन्त्र व्याकरण

6. अष्टाध्यायी पर लिखित किन्हीं 4 सूत्रानुक्रमपरक वृत्तिग्रन्थों का विस्तार से विवेचन कीजिए। 10

Give a detailed account of 4 sutranukramaparak vrittigranthas available on Ashtadhyayi.

अथवा / OR

संस्कृत व्याकरण परम्परा में प्रक्रियाग्रन्थों के योगदान का विस्तार से प्रतिपादन कीजिए।

Propound in detail, the contribution of prakriyagranthas in Sanskrit school of learning.

7. निम्नलिखित में से किसी एक पर संस्कृत में टिप्पणी लिखिए - 7

Write short notein **Sanskrit**on any **one** of the following:

नागेश, भर्तृहरि, पतञ्जलि